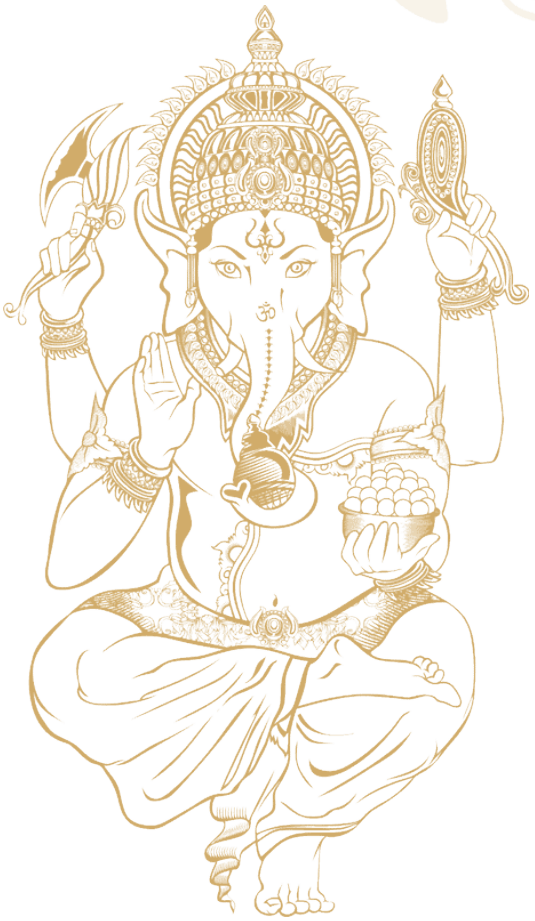

Vibhor

Shreya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121400519

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
28-29/04/1998	जन्म तिथि	10/08/1998
मंगल-बुधवार	दिन	सोमवार
घंटे 01:54:00	जन्म समय	17:55:00 घंटे
घटी 50:25:42	जन्म समय(घटी)	30:18:45 घटी
India	देश	India
New Delhi	स्थान	Atrauli
28:36:00 उत्तर	अक्षांश	28:02:00 उत्तर
77:12:00 पूर्व	रेखांश	78:16:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:12	स्थानिक संस्कार	-00:16:56 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:43:43	सूर्योदय	05:44:05
18:54:51	सूर्यास्त	19:00:03
23:49:53	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:08

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 4वर्ष 4मा 22दि		25:02:44	मक	लग्न	मक	06:00:04	गुरु 8वर्ष 8मा 11दि	
राहु		14:30:39	मेष	सूर्य	कर्क	23:50:36	शनि	
20/09/2009		17:28:22	वृष	चंद्र	कुंभ	26:05:03	23/04/2007	
20/09/2027		17:52:28	मेष	मंगल	मिथु	29:29:50	22/04/2026	
राहु	02/06/2012	18:50:37	मीन	बुध व	कर्क	29:59:38	शनि	25/04/2010
गुरु	26/10/2014	25:17:10	कुंभ	गुरु व	मीन	03:20:16	बुध	02/01/2013
शनि	01/09/2017	00:37:21	मीन	शुक्र	कर्क	02:39:46	केतु	11/02/2014
बुध	21/03/2020	01:27:03	मेष	शनि	मेष	09:46:06	शुक्र	13/04/2017
केतु	08/04/2021	14:48:12	सिंह व	राहु	सिंह	07:37:27	सूर्य	26/03/2018
शुक्र	08/04/2024	14:48:12	कुंभ व	केतु	कुंभ	07:37:27	चन्द्र	25/10/2019
सूर्य	03/03/2025	18:46:01	मक	हर्ष व	मक	16:38:37	मंगल	03/12/2020
चन्द्र	02/09/2026	08:19:23	मक	नेप व	मक	06:28:00	राहु	10/10/2023
मंगल	20/09/2027	13:37:18	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	11:28:11	गुरु	22/04/2026

लग्न-चलित

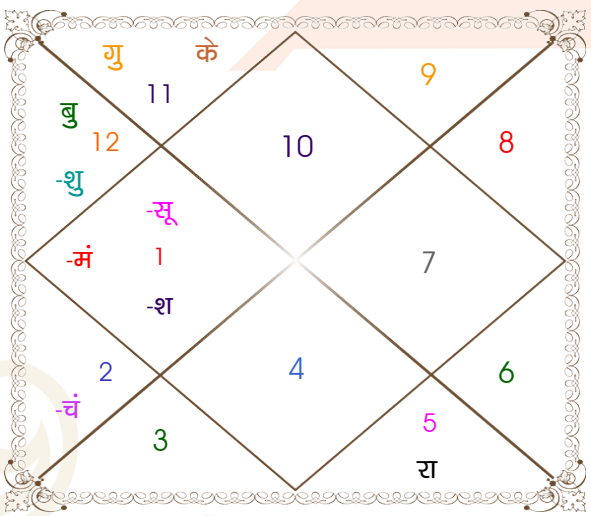

लग्न-चलित

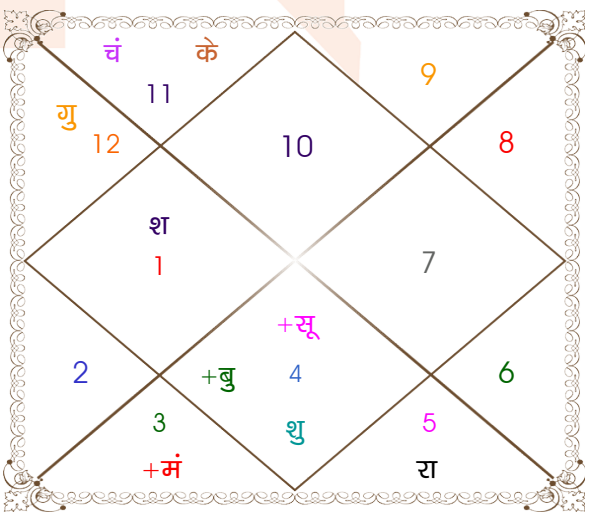

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	31.50		

Vibhor का वर्ग मृग है तथा Shreya का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Vibhor और Shreya का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Vibhor मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल Vibhor कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Vibhor कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Shreya मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Shreya कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Shreya कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Vibhor तथा Shreya में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।